14,192 हेक्टेयर जमीन उद्योगों के लिए आरक्षित

विकसित होंगे औद्योगिक सेक्टर, स्मार्ट टाउनशिप, लॉजिस्टिक पार्क, ट्रांसपोर्ट हब

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। औद्योगिक विकास को नया आयाम देने के लिए मास्टर प्लान-2041 के तहत फेज-2 में 14,192 हेक्टेयर जमीन आरक्षित की गई है। यह अब तक का सबसे बड़ा औद्योगिक भूमि आरक्षण है। इसमें लॉजिस्टिक पार्क, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब और आधुनिक टाउनशिप जैसी परियोजनाओं को गति मिलेगी।

प्राधिकरण फेज-2 के विकास के लिए विस्तृत कार्य-योजना पर काम कर रहा है। जल्द जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। पहले चरण में सड़कों, पानी, बिजली और सीवेज जैसी मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। फेज-1 में अब तक 19 औद्योगिक सेक्टरों में 2,750 इकाइयों को भूखंड आवंटित हुए हैं। फेज-2 में इससे कई गुना अधिक इकाइयों को भूमि उपलब्ध कराई जा सकेगी, जिससे निवेश और रोजगार दोनों में भारी बढ़ोतरी की संभावना है। बनेगा लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग हब

> शहर पहले ही इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और एसएमई सेक्टर का मजबूत केंद्र बन चुका है। फेज-2 के विकास से यह क्षेत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए और भी आकर्षक बनेगा।
>
> **-एनजी रवि कुमार, सीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण**

दरअसल, फेज-2 की यह योजना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से सीधी कनेक्टिविटी रखती है। इससे यह क्षेत्र उत्तर भारत का अगला लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा। इसके साथ ही बोड़ाकी गांव के पास प्रस्तावित मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के लिए रेलवे ट्रैक की संख्या तय करने पर विचार चल रहा है। हाल ही में दिल्ली में इस संबंध में उच्च स्तरीय बैठक हुई थी, जिसमें परियोजना की विभिन्न तकनीकी और वित्तीय पहलुओं पर चर्चा की गई।